# बांग्लादेश सीमा पर निवारक उपाय के रूप में मधुमक्खी पालन

**स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स**

हाल ही में सीमा सुरक्षा बल (BSF) ने बांग्लादेश से **सीमा पार घुसपैठ** और **तस्करी गतिविधियों को** रोकने के लिये **एक नवीन रणनीति के रूप में** मधुमक्खी पालन **का** उपयोग करना शुरू कर दिया है।

- BSF जवानों को **मधुमक्षिशाला** के बक्से जैसी संरचनाओं का उपयोग करने के लिये प्रशिक्षित किया गया है, जहाँ मधुमक्खियाँ भित्तियों का निर्माण करती हैं।
- मधुमक्खियों का उपयोग सीमा पर एक **प्राकृतिक निवारक** बनाने के लिये किया जाता है क्योंकि **मधुमक्खी के डंक का खतरा** तस्करों और घुसपैठियों को बाड़ के पास आने से हतोत्साहित करता है।
  - मधुमक्षिशाला की स्थापना के बाद से **बाड़ काटने और अवैध प्रवेश की घटनाएँ** लगभग **शून्य हो गई हैं।**
- यह पहल न केवल **सुरक्षा उद्देश्य** की पूर्ति करती है बल्कि जवानों को **मधुमक्खी पालन** सीखने का अवसर भी प्रदान करती है, जिसे वे सेवानिवृत्ति के बाद **आय के स्रोत** के रूप में जारी रख सकते हैं।
- बांग्लादेश और भारत के बीच **4,096 किलोमीटर लंबी सीमा** है, जो विश्व में **पाँचवीं सबसे लंबी सीमा** है।
  - इसकी सीमा भारतीय राज्यों **असम, पश्चिम बंगाल, मिज़ोरम, मेघालय और त्रिपुरा से मिलती है।**

//

**और पढ़ें:** भारत-बांग्लादेश संबंध

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/beekeeping-as-deterrent-on-bangladesh-border